डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 278 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 24 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

पंचांग के अनुसार मनाया भारत का स्वतंत्रता दिवस

भगवान पशुपतिनाथ का किया दूर्वा अभिषेक, एनसीसी कैडेटस ने भी दी सलामी

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पतित पावन शिवना किनारे स्थित विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में बुधवार को श्रावण मास की चतुर्दशी को सनातनी पंचांग के अनुसार स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बाबा पशुपतिनाथ की प्रतिमा का दूर्वा अभिषेक कर श्रृंगार किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। ज्योतिष एवं कर्मकांड परिषद द्वारा आयोजित विशेष पूजा में देश की सलामती और खुशहाली की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के एनसीसी कैडेटस ने भगवान पशुपतिनाथ को सलामी दी।

1985 से हो रहा दूर्वा अभिषेक...

परिषद के प्रमुख पंडित उमेश जोशी ने बताया कि यह परंपरा 1985 से निरंतर चली आ रही है। उन्होंने कहा, इस अभिषेक का विशेष महत्व है। क्योंकि, इसमें कोई मुख्य अतिथि नहीं होता। इस दौरान केवल परमात्मा और देश को प्राथमिकता दी जाती है।

मुख्य पुजारी बोले- श्रावण मास की चतुर्दशी पर आजाद हुआ था देश...

पशुपतिनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी कैलाश चंद्र भट्ट ने बताया कि श्रावण मास की चतुर्दशी पर देश आजाद हुआ था। आज चतुर्दशी होने की वजह से भगवान पशुपतिनाथ का दुर्वा अभिषेक किया गया है। साथ ही देश, सीमा पर तैनात सैनिकों और भगवान के भक्तों के सिंदूर की रक्षा के लिए भी प्रार्थना की गई। सनातन धर्म में दूर्वा अभिषेक को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि इस अभिषेक से सामूहिक समस्याओं और विपदाओं का नाश होता है, जिस कारण आम लोग भी इस पूजा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

अमले के मुंह फेरते ही फिर अतिक्रमण...

एमओएस से बड़ी समस्या है अस्थायी अतिक्रमण

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बड़ी बड़ी इमारतों में एमओएस को लेकर नोटिस-नोटिस का खेल और कार्रवाई हमेशा चर्चाओं में रहती है। लेकिन, शहर की उससे बड़ी समस्या है अस्थायी अतिक्रमण। जो शहर की सुंदरता ही नहीं, व्यवस्था को भी बिगाड़ रहा है। मामला है बड़े अस्पताल के बाहर दशपुर कुंज के बाहर मौजूद अतिक्रमण। एक दिन पहले नपा के अमले ने पहुंचकर

दशपुर कुंज के बाहर लाखों की सार्वजनिक सुविधा पर कब्जा बरकरार

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। दूसरे दिन स्थिति जस की तस हो गई। लाखों रुपए के निर्माण बगीचे के बाहर सुंदरता बढ़ाने और लोगों की सुविधा के लिए यहां किए गए। लेकिन, वह व्यापारियों के अतिक्रमण और कब्जे में है।

25 लाख का किया खर्च...

स्व. नपाध्यक्ष श्री बंधवार की हत्या के बाद शहर में जगह-जगह अवैध अतिक्रमण, गुमटियों को हटाने की कार्रवाई की। इसी कार्रवाई में नपा ने बड़े अस्पताल के सामने, दशपुरकुंज बगीचे के बाहर से स्थायी अवैध गुमटियों को हटाने की कार्रवाई की। इसका विरोध भी हुआ। लेकिन, नपा ने जेसीबी चलाकर सफाई कर दी। अतिक्रमण हटाने के बाद वापस स्थिति ना बने इसके लिए नपा ने इसके जीर्णोद्धार व सौंदर्याकरण की योजना बनाकर बगीचे की नई बाउंड्रीवॉल बनाई, नाला निर्माण कराया। इसके बाद बाहर बाउंड्रीवॉल पर सुंदर पेंटिंग कराई, आई लव मंदसौर का सेल्फी पाइंट बनाया। बाउंड्रीवॉल के बाहर जगह-जगह बैठक कुर्सी लगाई, जिससे गुमटियां ना लग सकें। नपा की आंखों के सामने यहां गुमटियों की जगह हाथ ठेले वालों ने कब्जा कर लिया। नपा द्वारा सुंदरता पर खर्च किए 25 लाख से अधिक बर्बाद हो गए। लेकिन, जिम्मेदारों को अतिक्रमण नहीं दिख रहा।

ग्राहकों को बैठाने के काम आ रही कुर्सियां...

नपा ने बगीचे के बाहर लोगों के बैठने के लिए सीमेंट-कांक्रीट की कुर्सियां लगवाई थीं। सभी को भजिये, आलूबडे, पतासे, पराठा सहित अन्य नाश्ता के ठेले लगाने वाले व्यापारियों ने कब्जे में ले लिया। इन पर सामान रखने व ग्राहकों को बैठाकर खिलाने का काम किया जा रहा।

चार पहिया पार्किंग स्थल भी बना...

कुछ समय पहले अतिक्रमण हटाने के बाद जो कुछ जगह रोड किनारे बची है। यह पिछले कुछ माह से वाहनों का पार्किंग स्थल बन गया है। बड़े अस्पताल के बाहर नारियल पानी व अन्य लोगों ने कब्जा कर लिया, बची जगह पर वाहन खड़े हो रहे हैं। यही स्थिति दशपुरकुंज बाउंड्रीवॉल के बाहर भी बनी है।

पुलिस वालों को पढ़नी होगी 'रामचरितमानस'

भोपाल, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश पुलिस ट्रेनिंग सेंटर्स में जवानों को अब प्रतिदिन बैरक में रामचरित मानस की चौपाइयों का सामूहिक पाठ करना होगा। मंगलवार को एडीजी प्रशिक्षण राजाबाबू सिंह ने सभी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर्स के एसपी की बैठक में यह निर्देश दिए।

कहा गया कि ट्रेनिंग करने वाले पुलिस के जवान प्रतिदिन रात में सोने से पहले अपनी बैरक में साथ बैठकर चौपाइयों का सामूहिक पाठ करेंगे, ताकि चौपाइयों के अर्थ को अपने असल जीवन में उतार सकें। ट्रेनिंग सेंटर्स के जिला अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि सेंटर में मानस की एक-एक प्रति रखवाई जाए।

भगवान राम ने सीखी कई कलाएं...

एडीजी राजाबाबू सिंह ने चर्चा में बताया कि कई रंगरुट नौ माह की ट्रेनिंग भी नहीं कर पा रहे। वे घर के नजदीक वाला पीटीएस चाह रहे हैं। उनसे प्रत्यक्ष रूप से बात कर मानस की चौपाइयों के सामूहिक पाठ के लिए कहा गया है। क्योंकि, भगवान राम 14 वर्ष वनवास में रहे, उसी दौरान उन्होंने जंगल में जीवित रहने की कला, अपरिचित वातावरण में ढलना और दुश्मन को परास्त करने की कला सीखी थी।

अभी पेड़ काट रहे.. फिर पानी के लिए तरसेंगे..!

शहर के 10 नंबर नाका क्षेत्र में इस तरह काटा गया हरा पेड़

हरे पेड़ों की बलि लेने के साथ ही वन क्षेत्र कर दिया कम

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हरियाली कम होने के साथ ही हर साल अल्पवर्षा का परिणाम आमजन को भुगतना पड़ रहा है। इधर हरे पेड़ो की अवैध कटाई लगातार की जा रही है। कभी बड़ा अस्पताल तो कभी नई आबादी तो कभी मेघदूत नगर में पेड़ो की कटाई के मामले सामने आते रहे हैं। एक और मामला नाका नंबर 10 के पास का सामने आ रहा है। जो सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है। यहां पेड़ो की कटाई का एक वीडियो और फोटो सामने आया है।

बताया जाता है कि विशालकाय हरे पेड़ को तीन चार दिन पहले आधा काटा गया। इसके बाद बुधवार को पेड़ पूरी तरह से धराशाही हो गया। इधर लगातार हो रही पेड़ो की कटाई से वन क्षेत्र कम होकर हरियाली उजड़ रही है। जिले में तो हालत यह है कि रेवास-देवडा क्षेत्र से लगे जंगलों में अच्छी खासी हरियाली को उजाडक़र एक कंपनी को 95 हेक्टेयर भूमि पवन चक्की लगाने के लिए दे दी गई। बदले में इतनी ही जमीन शामगढ क्षेत्र के हनुमंत्या में दी गई है, पर राजस्व की पथरीली भूमि होने से अभी यहां ठीक से पौधारोपण भी नहीं हुआ है। इतना घना वन लगाने में वहां सालों लग जाएंगे। वन विभाग के आकड़ों में भी 59 हजार 194 हेक्टेयर में फैले वन क्षेत्र के घनत्व में 03 प्रतिशत तक की कमी बताई जा रही है। शहरी क्षेत्रों में लाखों रुपए खर्च कर पौधे लगाने के बाद भी सकारात्मक परिणाम नहीं मिल पाए हैं।

कागजों में वन क्षेत्र बरकरार...

जिले में पिछले 20 सालों से वन क्षेत्र का रकबा 59 हजार 194 हेक्टेयर ही चला आ रहा है। इसमें 18 हजार हेक्टेयर तो अकेले गांधीसागर अभयारण में ही फैला हुआ है। कागजों पर वन क्षेत्र इतना ही चला आ रहा है। लेकिन, वन क्षेत्र के घनत्व में कमी आई है। वन क्षेत्र को घनत्व के आधार पर तीन भागों में बांटा गया है। 0.2 घनत्व वाला क्षेत्र बढ़कर 42.68 प्रतिशत से बढ़कर 42.76 प्रतिशत हो गया है। इससे ज्यादा घनत्व वाले वन में पेड़ों की संख्या कम हो गई है। 0.2 से 0.4 घनत्व का क्षेत्र 43 प्रश से घटकर 40.92 प्रतिशत हो गया है। 0.4 घनत्व वाले वन क्षेत्र में 20 साल पहले 14.29 प्रतिशत था जो अब घटकर 13.98 प्रश रह गया है।

रेवास देवड़ा बीट का अच्छा-खासा जंगल उजाड़ा...

केंद्र सरकार से विंड वर्ल्ड कंपनी के 55.2 मेगावॉट पवन उर्जा परियोजना के अनुबंध के बाद मंदसौर से लगभग 12 किमी दूर रेवास-देवडा क्षेत्र में 95.3825 हेक्टेयर वन भूमि देने के आदेश 19 जनवरी 2015 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने दिए थे। भूमि पर होने वाले वन के नुकसान के लिए कंपनी ने 2 करोड़ 71 लाख 85 हजार रुपए जमा कराए है। जिसका उपयोग कटाई के बदले नए पेड़ लगाने पर किया जाना था। कंपनी से किए गए अनुबंध में स्पष्ट लिखा है बहुत ज्यादा जरूरी होने पर ही वन अधिकारी की मौजूदगी में पेड काटे जाए। किन्तु, जालसाजी करते हुए पूरे 95 हेक्टेयर वन भूमि पर कंपनी ने काटने के लिए कागजों में केवल 1249 पेड़ चिन्हित किए हैं। जबकि, इस क्षेत्र में 3-4 हजार तक पेड़ थे।

क्या ऐसे बनेगा इतिहास...

जुलाई 2014 में पौधे लगाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में रिकॉर्ड दर्ज कराकर इतिहास बनाने का सपना देखा गया। 1.35 लाख पौधे लगाने का दावा किया गया। जिले में 101 जगहों पर पौधे लगाए गए। जिसमें 47 सरकारी विभागों के अलावा 48 निजी संस्थाओं को भी पौधे दिए गए। डाइट परिसर में 500 पौधे लगाए गए। लेकिन, सकारात्मक परिणाम नहीं मिल पाया। देखरेख के अभाव में एक भी पौधा नहीं चल पाया। यही स्थिति अन्य जगहों पर भी हुई।

यह है वन घनत्व में कमी के कारण...

- योजनाओं का ठीक तरीके से क्रियान्वयन नहीं होना।
- बीते कुछ सालों में बारिश कम होना।
- पौधे लगाने के बाद देखरेख का अभाव।

युवती ने फांसी लगाई, मौत

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। रेलवे स्टेशन क्षेत्र स्थित संत कंवरराम कॉलोनी से मंगलवार रात एक युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती के चाचा ने थाने पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बड़े भिजवाया। जानकारी के अनुसार घटना के समय 23 साल की मानसी कोठारी कमरे में अकेली थी। जब बहुत देर तक वो बाहर नहीं निकली तो भाई संस्कार ने कमरे का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला। उसने खिड़की से कमरे में झांका तो मानसी फंदे पर लटकी दिखाई दी। शहर कोतवाली टीआई पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि मानसी कोठारी ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है, जो भी तथ्य सामने आएंगे, कार्रवाई की जाएगी।

स्नान और दान पुण्य कमाने का है आज का दिन, सज गई मालपुए की दुकानें...

हरियाली अमावस्या आज, महकेगी मालपुए की सुगंध

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रकृति हरियाली से आच्छादित रहती है और सावन माह में प्रकृति की छटा निखरती रहती है। सावन माह में ही हरियाली अमावस्या का पर्व मनाया जाता है।

भोले की भक्ति में पूरा सावन माह रहता है। हरियाली अमावस्या का पर्व आज 24 जुलाई को मनेगा। इसके चलते गुरुवार को मालपुए की दुकानें भी सज गई है। शहर के सभी प्रमुख चौराहों प्रमुख गलियों एवं प्रमुख स्थानों पर मालपुए की दुकानें बुधवार को लग गई अथवा आज गुरुवार सुबह से और लग जाएगी। गुरुवार को चहुंआर मालपुए की सुगंध महकती रहेगी। बड़ी संख्या में महिलाएं घरों में ही मालपुए बनाएंगी तो अनेक लोग बाजार से मालपुए खरीदकर आनंद उठाएंगे। रबड़ी के मालपुए सहित सभी प्रकार के मालपुए बाजार में उपलब्ध रहेंगे। बता दें कि 15 दिन पूर्व जहां सूखे की स्थिति जैसी थी, वहीं 15 दिन बाद सावन के झूमने पर हुई बारिश के चलते चहुंओर प्रकृति ने हरियाली की चादर ओड़ ली है। ऐसे में हरियाली अमावस्या का यह पर्व उत्साह से मनाया जाएगा। इस दिन स्नान और दान कर पुण्य कमाने का भी महत्व है।

विचार-मंथन

देश से जुड़े जरूरी सवाल पर नहीं हो रही बहस

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन दोनों सदनों में सत्ता और विपक्ष के बीच खींचतान के बाद जैसा हंगामा देखा गया, वह एक तरह से अपेक्षित था। जिस तरह लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने की नौबत आई, उससे एक बार फिर यही लगता है कि जनहित से जुड़े मसलों पर बातचीत के बजाय संसद अब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव की जगह बनती जा रही है। विपक्ष को लगता है कि सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक सदन में बहस के लिए मुद्दों का चुनाव करती है और ऐसे में जनहित तथा राष्ट्रीय महत्व के विषयों की उपेक्षा की जाती है, वहीं सरकार यह मानती है कि विपक्ष नाहक ही सदन को बाधित कर जरूरी कामकाज में अड़चन डालता है। इसमें दोराय नहीं कि जब तक किसी मुद्दे पर लोकसभा या राज्यसभा में बहस नहीं होगी, तब तक जनहित के सवाल उपेक्षित रहेंगे, लेकिन इस क्रम में ऐसी स्थिति पैदा होने को कैसे सही ठहराया जा सकता है कि सदन में विचार-विमर्श के बजाय एकतरफा बातचीत होने लगती है और उसी के आधार पर नियम-कायदे भी तय हो जाते हैं। गौरतलब है कि करीब एक महीने तक चलने वाले मानसून सत्र में विपक्ष की ओर से मुख्य रूप से पहलगाम हमले, आपरेशन सिंदूर, संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण, मणिपुर के हालात और चीन के रुख आदि मसलों पर चर्चा कराने पर जोर दिया गया। हालांकि सरकार ने दावा किया कि वह इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। अगर ऐसा है तो यह समझना मुश्किल है कि फिर खींचतान और हंगामे के हालात यहां तक कैसे पहुंचे कि सदन को स्थगित करने की नौबत आई। सरकार और विपक्ष के बीच

संसद में आमने-सामने की बहस और सवाल-जवाब एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। अगर सरकार को लगता है कि वह विपक्ष की मांग के मुताबिक सभी विषयों पर बहस के लिए तैयार है, तब आखिर संसद में हंगामे की नौबत क्यों आती है? क्या ऐसा बीच का रास्ता नहीं निकल सकता जिसमें सदन बाधित न हो और संसद का कामकाज सुचारु रूप से चले? विपक्ष अगर चर्चा की मांग करता है, तो सदन को सामान्य रूप से संचालित होने देना और जरूरी मुद्दों पर बहस को लोकतांत्रिक निष्कर्ष तक ले जाना आखिर किसकी जिम्मेदारी है? देश और नागरिकों के हित से जुड़े व्यापक महत्व के सवालों पर लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा नहीं होगी तो और कहां होगी? मगर सरकार और विपक्ष जिन मुद्दों पर टकराव की मुद्रा में आ जाते हैं, उसमें यह कैसे तय होगा कि किस सवाल को बहस की प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए? सही है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला और उसके बाद की परिस्थितियां राष्ट्रीय महत्व का मसला है। इसी तरह बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जिस तरह के सवाल उठे हैं, उस पर भी तत्काल बात होनी चाहिए। मणिपुर में भी लंबे समय से जिस तरह हिंसा के हालात बने हुए हैं, उसका समाधान भी तुरंत खोजने की जरूरत है। मगर क्या सदन में इसके लिए कोई प्रक्रिया निर्धारित है? विडंबना है कि हंगामे की शोर में जरूरी मुद्दों पर बहस नहीं हो पाती और सदन स्थगित हो जाता है। इस संदर्भ में सदनों की कार्यवाही पर एक दिन के खर्च और उसके बेकार जाने के मसले पर भी काफी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में सरकार और विपक्ष को मिल कर यह सोचने की जरूरत है कि बाधित सदन में जनहित के सवालों के लिए कितनी जगह बची है।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केसः पीड़ितों को कब मिलेगा न्याय?

संतोष कुमार पाठक

इन सीरियल बम धमाकों में 187 लोगों की मौत हुई थी और 824 लोग घायल हुए थे। लेकिन 19 वर्षों बाद, जुलाई के महीने में ही आए बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले ने सबको चौंका कर रख दिया है। बॉम्बे हाई कोर्ट में दो जजों की बेंच ने अभियोजन पक्ष को कड़ी फटकार लगाते हुए निचली अदालत से दोषी करार दिए गए सभी 12 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को दिए अपने फैसले में यह माना कि अभियोजन पक्ष 19 वर्ष पुराने इस मामले में आरोपियों पर लगे आरोपों को साबित करने में नाकाम रहा। हाई कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को फटकार लगाते हुए गवाही से लेकर पहचान परेड की प्रक्रिया तक पर भी सवाल उठा दिए। अदालत ने कहा कि गवाहों के बयान और साक्ष्य आरोपियों को निचली अदालत से मिली सजा को कायम रखने का भरोसा पैदा नहीं करते हैं। यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने यह अपराध किया है। यह टिप्पणी करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के सितंबर 2015 में दिए गए फैसले (जिसमें 12 लोगों को सीरियल बम धमाके का गुनाहगार माना गया था) को रद्द करते हुए सभी 12 लोगों को बरी कर दिया। गौरतलब है कि, मकोका की विशेष अदालत ने इन बम धमाकों के मामले में इन 12 आरोपियों में से 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इन आरोपियों में इंजीनियर और कॉल सेंटर के कर्मचारी तक शामिल थे। लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले ने अभियोजन पक्ष (सरकारी वकील) के सिस्टम के साथ ही महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की कार्यप्रणाली पर ही बड़ा सवाल

खड़ा कर दिया है। पिछले 19 वर्षों के दौरान जांच की प्रक्रिया और अदालती सुनवाई के रिकॉर्ड को देखने पर तस्वीर पूरी तरह से साफ हो जाती है। वर्ष 2023 में तो सरकार की उदासीनता पर गहरी नाराजगी जताते हुए अदालत ने विशेष सरकारी वकील की नियुक्ति नहीं किए जाने को लेकर गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को तलब करने तक की चेतावनी दे दी थी। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा हो रहा है कि मुंबई की ट्रेनों में 7 बम धमाके, 187 मौतें, 824 घायल, 19 वर्षों की जांच और अदालती सुनवाई के बावजूद गुनाहगार की संख्या शून्य यानी जीरो। अगर महाराष्ट्र सरकार के मुताबिक, ये 12 लोग दोषी थे तो फिर इनके खिलाफ ठोस सबूत हाई कोर्ट के सामने पेश क्यों नहीं किए गए और अगर ये 12 लोग वाकई निर्दोष हैं (जैसा कि अदालत ने माना है) तो फिर इन बम धमाकों के असली साजिशकर्ता/ गुनाहगार कहां है ? इन सवालों का जवाब महाराष्ट्र की पुलिस, अभियोजन पक्ष और महाराष्ट्र सरकार को देना ही चाहिए। हालांकि अभी भी सरकार के पास बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का विकल्प मौजूद है। लेकिन इस कानूनी लड़ाई के साथ ही जांच एजेंसियों और खासतौर पर सरकार को आगे आकर पीड़ितों को न्याय दिलाने की ठोस पहल करनी ही चाहिए। इसके साथ ही हमें आतंकवादी घटनाओं और बम धमाकों जैसे अपराधों की जांच के लिए एक स्थाई तंत्र भी बनाने की जरूरत है जिसमें जांच से लेकर अदालतों में सुनवाई तक का फुलप्रूफ सिस्टम होना चाहिए ताकि किसी भी स्तर पर कोताही की कोई भी गुंजाइश बचे ही ना। लेकिन क्या वाकई ऐसा हो पाएगा?

रूस से तेल आयात पर भारत की दुविधा क्यों बढ़ी?

भारत पर रूस से तेल आयात बंद करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। नार्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन यानी नाटो के महासचिव मार्क रुट ने चीन, ब्राजील और भारत से कहा है कि वे रूस पर यूक्रेन में युद्ध बंद करने का दबाव डालें, नहीं तो अमेरिकी प्रतिबंध के लिए तैयार रहें। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि यूक्रेन में युद्ध पर अगले 50 दिनों में कोई समझौता नहीं होता है, तो रूस को भारी शुल्क का सामना करना पड़ेगा। तेल मंत्रालय के अनुसार, भारत अपनी जरूरत का करीब 88 फीसद तेल आयात करता है। रूस के कुल तेल निर्यात का 38 फीसद तेल भारत खरीद रहा है। दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में रूसी और मध्य एशिया अध्ययन केंद्र में असोसिएट प्रोफेसर राजन कुमार कहते हैं कि भारत पर दबाव तो बढ़ गया है और इस दबाव की यूं ही उपेक्षा नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने दो चुनौतियां होंगी। रूस से तेल आयात बंद हुआ तो भारत को सस्ता तेल नहीं मिलेगा। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ेंगी। यानी भारत को महंगा तेल खरीदना होगा, लेकिन मामला केवल तेल का नहीं है। अमेरिका तो कह रहा है कि भारत रूस से व्यापार ही बंद कर दे। ऐसे में भारत की रक्षा आपूर्ति का क्या होगा? मुझे नहीं लगता है कि भारत अमेरिका के इस दबाव को पूरी तरह से मानेगा। राजन कुमार कहते हैं, ट्रंप की धमकी अगर सच्चाई में बदलती है तो भारत के लिए मुश्किलें बढ़ेंगी। जहां तक रूस की बात है तो मुझे लगता है कि वह भारत की मजबूरी को समझता है, लेकिन भारत के सामने चीन भी है और चीन अमेरिकी धमकियों के सामने झुकेगा नहीं। चीन ने ट्रंप की हर धमकी का जवाब दिया है और ट्रंप खुद व्यापार समझौता करने के लिए मजबूर हुए। यानी ट्रंप अपने दोस्तों के साथ बहुत सख्ती से पेश आ रहे हैं, लेकिन जो उन्हें उसी भाषा में जवाब दे रहा है, उससे समझौते कर रहे हैं। लेकिन भारत चीन नहीं है। चीन ने रेयर अर्थ मिनरल और सेमीकंडक्टर की सप्लाई रोक दी थी।राजन कुमार कहते हैं, जाहिर कि रूस की निर्भरता चीन पर और बढ़ेगी और यह भारत के लिए किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है। रूस के पास अब चीन का कोई विकल्प नहीं है। रूस के कुल तेल निर्यात का 47 फीसद चीन में हो रहा है।

विकसित मध्यप्रदेश 2047 का सीधा प्रसारण आयोजित

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे ने जानकारी देते हुऐ बताया कि उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन के निर्देशानुसार दिनांक 23.7.2025 को विकसित मध्यप्रदेश ऽ2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षा रुझान एवं नए अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कार्यक्रम 10.30 बजे से कुशाभाऊठाकरे हॉल भोपाल में आयोजित किया गया। जिसका सीधा प्रसारण महाविद्यालय के नचिकेता सभागृह में किया गया। यह कार्यक्रम माननीय श्री मोहनजी यादव, माननीय मुख्यमंत्रीजी मध्य प्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य, महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई जी पटेल महोदय की अध्यक्षता एवं माननीय श्री इंदरसिंह जी परमार, माननीय मंत्रीजी उच्च शिक्षा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ । इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसरों की जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ के साथ बडी संख्या में विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर से निकलेगी शोभायात्रा

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आज दिनांक 24 जुलाई 2025, गुरूवार को हरियाली अमावस्या पर्व पर राम मोहल्ला जनकपुरा मंदसौर स्थित अति प्राचीनतम एवं चमत्कारीक श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा आज 24 जुलाई 2025, बुधवार को सायं 5 बजे से राम मोहल्ला जनकपुरा मंदसौर स्थित अति प्राचीनतम एवं चमत्कारिक श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो मोहल्ला से बडा चौक, गणपति चौक, वरूणदेव मंदिर, घण्टाघर, सदर बाजार से धानमण्डी होते हुए पुन: मशांपूर्ण मंदिर पहुंचेगी। तत्पष्चात् महाआरती होगी तथा भक्तों को प्रसादी वितरण किया जाएगा। श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर भक्त मण्डल ने सभी धर्मालुजनों से इस शोभायात्रा एवं महाआरती में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

शुभ-अशुभ कर्मों से मानव जन्म मिलता है-रुद्र देवजी

नीमच, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पिछले जन्मों के पुण्य कर्म से ही मानव जन्म मिलता है। निष्काम भक्ति से पुण्य फल प्राप्त होता है। यदि हम पाप कर्म करते हैं तो इस धरती पर उस पाप कर्मों के फल को भोगने के लिए हमें भगवान वापस जन्म देता है अच्छे कर्म करते रहना चाहिए तभी हमारा जीवन सफल हो सकता है और हमें मुक्ति मिल सकती है। शुभ अशुभ कर्मों से मानव जन्म मिलता है इसलिए अच्छे कर्म करते रहना चाहिए। गणपति बुद्धि के देवता है और वह कर्म की सवारी करते हैं चुहा कर्म का प्रतीक है।यह बात गुरुदेव रुद्रदेव जी त्रिपाठी (जावद वाले) ने कहींवे श्री हरि सत्संग मंडल एवं भक्तगण के तत्वाधान में गोमाबाई रोड स्थित लायन्स डेन सभागार में 11 जुलाई से 6 अगस्त तक आयोजित 27 दिवसीय संगीतमय श्री

शिव महापुराण कथा एवं पर्वतीय शिवलिंग पूजन अभिषेक एवं रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिव पार्वती विश्व के सबसे सर्वश्रेष्ठ दंपति है जो धर्म आध्यात्मिक की वार्ता करते हैं। अहंकार हमारे पतन का कारण बनता है। अंहकार के कारण सामान्य व्यक्ति भी माता-पिता और गुरु और सज्जनों की बात को भी बुरी मानने लगता है। यदि हम पुण्य कर्म कर भगवान की शरण में भक्ति करते हैं तो हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है। क्रोध के त्याग बिना मानव जीवन में सफलता नहीं मिलती है। यदि परीक्षा से पहले बच्चे अर्थवशिष्टपाठ का 108 बार जाप करें उनकी बुद्धि प्रखर होती है उनका प्रश्न पत्र अच्छा होता है। गुरुदेव रुद्रदेव त्रिपाठी के पिता श्री महेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि घर परिवार में कुशल प्रबंधन कर परिवार को मंदिर का स्वरूप देने के लिए लक्ष्मी रूपी कन्या से अपने पुत्र का विवाह करना चाहिए। संसार के सभी देवता अपने ससुराल में ही रहते हैं। भगवान हिमालय में भोले शंकर तथा नारायण समुद्र में लक्ष्मी के साथ रहते हैं। शिव भक्ति तपस्या कर संसार का कल्याण करते हैं। इस अवसर पर अपने 10 वर्षीय बालिका रिसोना पिता सौरभ एवं दादा रविंद्र बोहरा जावद के साथ आशीर्वाद ग्रहण किया।शिव महापुराण पोथी पूजन आरती में शिवकुमार सिंघवी,प्रेम नारायण ,नाथू लाल पाटीदार, लालचंद सिंहल, मुरारी लाल सिंहल, सत्यनारायण पाराशर ,महेश शर्मा, मुकेश पोरवाल, जगदीश महेश्वरी, युगल किशोर शर्मा,आदि बडी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में सुबह 8 से 8:30 बजे तक वेद पाठ, 9 से 10 बजे तक हवन ,दोपहर 1 से 3 बजे शिव पुराण कथा, 3 से 4:30 बजे तक 27हजार रुद्राक्ष शिवलिंग पूजन अभिषेक, सोमवार नागपंचमी, प्रदोष, हरियाली अमावस्या पर पार्थिव पूजन अभिषेक,सवालाख महामृत्युंजय मंत्र जाप, काल सर्प पूजन हवन शांति सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।

साबाखेड़ा में गुरूवंदन व्यास पूजा कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय सांदीपनि विद्यालय साबाखेड़ा में भारतीय शिक्षण मंडल के तत्वाधान में गुरु वंदन व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांतीय संयोजक श्याम सुंदर देशमुख ने भारतीय शिक्षा मंडल की सिद्धांत एवं उद्देश्यों को बताया। श्री देशमुख ने विद्यालय में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के अनुशासन की प्रशंसा की। मुख्य वक्ता के रूप में श्री श्याम सुंदर चौधरी अधिवक्ता किशोर न्यायालय के माननीय सदस्य मंदसौर ने गुरु पूर्णिमा व्यास पूजन के महत्व को समझाते हुए भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य की परंपरा एवं प्राचीन काल में आश्रम व्यवस्था से लगाकर आज तक गुरु के दायित्व को बतलाया। उन्होंने बताया सांदीपनि विद्यालयो में शिक्षा के साथ संस्कार, खेल ,संगीत की शिक्षा दी जा रही है यह सरकार की बहुत ही प्रशंसनीय योजना है। प्राचार्य श्री दिलीप सिंह डाबी ने विद्यालय गतिविधियों की जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक रतनलाल चौहान ने किया एवं आभार वरिष्ठशिक्षक श्री विनीत अग्रवाल ने माना।

विधानसभा चुनाव हेतु श्रीमती गुप्ता बिहार रवाना

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित जी के निर्देशानुसार आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में मंदसौर भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता को बिहार राज्य में जिला वैशाली की विधानसभा राघौपुर में महिला मोर्चा की और से संघटनात्मक कार्य हेतु विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया गया है।

महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा महिला मोर्चा जिला मंदसौर जिला महामंत्री रेखा मन्दलिया ,जिला उपाध्यक्ष सुनीता गुजरिया सीमा धनोतिया , संध्या शर्मा ,बिंदु चन्द्रे सुशीला राठौर, रानू भावसार, जिला कोषाध्यक्ष कविता यादव, जिला मंत्री अनोख पाटीदार, सरिता सेठिया, सुमित्रा बैरागी, रंजना पंडा, अनिता कोठारी, मीना जिला कार्यालय मंत्री, निर्मला गर्ग रक्षा जैन ,मीडिया प्रभारी दुर्गा सिसोदिया, विद्या कडौतिया अंजली दीवान देवडा उमा सेनी मंडल अध्यक्ष रवीना शर्मा अंजू वाधवा मीना पंजाबी शिल्पा धनोतिया हेमलता गौड हेमलता रत्नावत दीपा हरवानी साधना मेहता कुसुम नागर हंसा सोनी रिंकू गौतम पपीता पाटीदार किरण मंडोवरा भावना पमनानी गंगा बैरागी कांता ग्वाला भुवनेश्वरी सेठिया माधुरी पटेल अंजू धाकड प्रीति खीचावत साधना पाटीदार तुलसा खत्री भाजपा महिला मोर्चा जिला की समस्त पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्य समस्त मंडल पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्य समस्त जनप्रतिनिधि समस्त पार्षदगण बहनों की ओर से बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी गई। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष निर्मला जी गुप्ता 23 जुलाई शाम को 06:00 बजे मंदसौर रेलवे स्टेशन ट्रेन द्वारा बिहार चुनाव के लिए प्रस्थान होने पर समस्त महिला मोर्चा की बहनों ने रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर निर्मला जी गुप्ता को शुभकामनाएं दी।

नगरीय निकायों में ई-गवर्नेंस सेवाओं का होगा विस्तार

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिये केंद्रीयकृत वेब आधारित ई-नगर पालिका 2.0 संचालित हो रही है। यह परियोजना डिजिटल इंडिया के उद्देश्य को बढावा देने तथा पारदर्शी एवं त्वरित नागरिक सेवा देने के उद्देश्य से नगरीय निकायों में चल रही है। मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है जहां प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को एक सिंगल पोर्टल पर लाया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने वर्ष 2025-26 में ई-गवर्नेंस-आईटी के माध्यम से नागरिक सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना तैयार की है। नगरीय निकायों की सभी सेवाओं को ऑनलाइन नवीन तकनीक से अपग्रेड किया जायेगा। समस्त नगरीय निकायों में नागरिक सेवाओं को ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल एवं मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से प्रदाय किया जाएगा।

एनालिटिल डेशबोर्ड–नगरीय क्षेत्रों के सतत् और योजनाबद्ध विकास तथा विभागीय कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिये रियल टाइम डेशबोर्ड विकसित किया जा रहा है। विभाग की एआई गार्ड योजना में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रयोग किये जाने की भी योजना तैयार की गई है। ई-गवर्नेंस में ज्योग्रोफिकल इन्फॉरमेशन सिस्टम (जीआईएस) के संयोजन के साथ शहरी विकास और सेवा विस्तार में आधुनिक पारदर्शी और डेटा संचालित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जायेगी। जीआईएस पोर्टल पर 90 से अधिक महत्वपूर्ण डाटा लेयर्स का प्रयोग कर इसका विकास किया जायेगा।

नवीन 3.0 पोर्टल–ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम 3.0 पोर्टल (एबीपीएएस) के माध्यम से ऑनलाइन भवन अनुज्ञा की सुविधा समस्त नगरीय निकायों में प्रदाय की जायेगी। इसके साथ ही कॉलोनी विकास अनुज्ञा को भी ऑनलाइन किये जाने को इस वर्ष की कार्ययोजना में शामिल किया गया है। नगरीय निकायों में ई-गवर्नेंस एवं आईटी के विस्तार में व्हाट्सएप चेटबोट के माध्यम से नगरीय निकायों के सभी प्रकार के कर एवं गैर करों के बिल भुगतान की सुविधा एवं सेवाओं की जानकारी देने का प्रयास किया जायेगा।

बाबा महाकाल तक पैदल कावड़ यात्रा 29 से

मनासा, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन मास में हर वर्ष दिव्यानंद पैदल कावड यात्रा संघ द्वारा मंशापूर्ण महादेव मनासा से बाबा महाकाल उज्जैन तक पैदल कावड यात्रा आयोजित करती हे इस वर्ष भी 29जुलाई मंगलवार से 5अगस्त तक मंशापूर्ण महादेव मंदिर से बाबा महाकाल उज्जैन तक पैदल कावड यात्रा निकाली जा रही हे। उक्त जानकारी देते हुवे कावड यात्रा के व्यवस्थापक विजय उदासी नाना भाई ने बताया की इस पैदल कावड यात्रा को लेकर संघ द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हे। उज्जैन महाकाल हेतु पैदल कावड यात्रा में जाने हेतु पैदल यात्री अपना पंजीयन करवा रहे हे। कावड यात्रा 5 अगस्त को प्रात:8 बजे मंशापूर्ण महादेव मंदिर पर भगवान भोले नाथ का अभिषेक कर हरिद्वार से लाए गए गंगाजल को कावड में भर कर पैदल यात्री बैंड बाजों ,ढोल पार्टी, डीजे के साथ नगर के मुख्य मार्गोवस होते हुवे उज्जैन बाबा महाकाल को प्रस्थान करेंगे। पैदल यात्रा नारायणगढ, पिपलिया मंडी, मंदसौर, जावरा, बडावदा, नागदा, खाचरोद होती हुई उज्जैन 4 अगस्त को पहुंचेगी।पैदल यात्री 5 अगस्त को बाबा महाकाल का अभिषेक,पूजा अर्चना आरती कर बाबा महाकाल आशीर्वाद प्राप्त पुन: मनासा लौटेंगे। दिव्यानंद पैदल कावड यात्रा संघ ने मनासा से महाकाल उज्जैन तक पैदल यात्रा में शामिल होनेवाले यात्रियों से निवेदन किया हे की अपना पंजीयन नाना उदासी व संघ के सदस्यों से करावे।

बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्रशेखर आज़ाद जयंती मनायी

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बुधवार को सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग में देश के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद एवं समाज सुधारक बाल गंगाधर तिलक की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर तिलक जी व आज़ाद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा दिया गया उद्घोष कथन स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है का स्मरण किया गया साथ ही विद्यालय के भैया बहिनों ने भाषण और कविता के माध्यम से तिलक जी के जीवन व उनके योगदान पर प्रकाश डाला व विद्यार्थियों को प्रेरित किया। भैया बहिनों को तिलक जी के जीवन को समझने व उनसे प्रेरित होने का संदेश दिया गया। दूसरी और क्रान्तिकारी नेता चंद्रशेखर आज़ाद की देश भक्ति व उनके जीवन व देश के प्रति प्रेम को बताते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, सैनिक एवं सीबीएससी विद्यालय की प्राचार्या डॉ .सरोज प्रसाद, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा एवं उप प्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड व समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहे।

हरिपुरा में आज नि:शुल्क सर्वरोग निदान आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन

नीमच, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आयुष विभाग द्वारा ग्राम हरिपुरा में आयुर्वेद चिकित्सा एवं सर्वरोग शिविर का आयोजन आज 24 जुलाई 2025 को आंगनवाडी केंद्र हरिपुरा में प्रात:11 से दोपहर 3 बजे तक किया जा रहा हैं। इस शिविर में सर्दी, खासी, बुखार, दस्त , चमडी के रोग (दाद, खाज, खुजली) श्वाँस, गैस (पेट फूलना) खाना न पचना, भूख न लगना, कब्जी होना, बवासीर (मसा) एसीडिटी (छाती में जलन) कमर एवं जोडों का दर्द(वादी), बी.पी., शुगर, पथरी महिलाओं की बिमारियाँ, कमर दर्द आदि बिमारियों का उपचार किया जायेगा एवं नि:शुल्क दवाईयाँ दी जायेगी। साथ ही बी.पी., शुगर एवं हिमोग्लोंबिन की जाँच नि:शुल्क की जायेगी। जिला आयुष अधिकारी डॉ.आशीष बोरना ने अधिकाधिक ग्रामीणों से इस शिविर का लाभ उठाने का आगृह किया हैं।

क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्म दिवस उत्साह के साथ मनाया

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महान क्रांतिकारी व सैनिकों के लिए समर्पित देश का पहला संगठन दशपुर जागृति संगठन द्वारा 23 जुलाई को आजादी के महानायक चंद्रशेखर आजाद का जन्म दिवस आजाद की प्रतिमा पर मंगल तिलक लगाकर उनके हाथों में संकल्प का कलावा बांधकर व जनेऊ पहनाया मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिमा स्थल पर सभी ने शपथ भी ली गई। संगठन के सभी साथियों ने क्रांतिकारी ड्रेस पहनकर आजाद के चरणों को नमन किया।

इस अवसर पर संगठन के संरक्षक राजाराम तंवर ने कहा कि आज देश के अंदर आजाद की प्रतिमा को जनेऊ पहनाने के साथ मंगल तिलक लगाते हुए कलावा बांधने का सौभाग्य इस संगठन को मिला है। संगठन के प्रयासों से यह प्रतिमा स्थापित हुई है। संगठन के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पुराणिक ने कहा 15 वर्षों की यात्रा में राष्ट्र जागरण का जो कार्य हमें मिला है उसमें यह संगठन महान क्रांतिकारियों को याद करते हुए उनकी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाए हुए हैं। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने कहा की आजाद के लिए आज हम देश के नेताओं के पास समय नहीं है लेकिन यह विश्वास दिलाता हूं कि देश

के अंदर बहुत बड़े पैमाने पर देश के अंदर भ्रष्टाचार अधिकारियों एवं नेताओं के यहां पर छापेमार कार्यवाही होगी उस समय इन आजादी के दीवानों की आत्मा को शांति मिलेगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश बिश्नोई ने कहा संगठन के लिए मैं घर-घर क्रांतिकारी पहुंचने के लिए इस आजाद प्रतिमा स्थल पर शपथ लेता हूं 20 हजार की तस्वीर मेरे द्वारा घर-घर पहुंचा दी है 10 हजार रू. की राशि की तस्वीर और भेंट करूंगा अंतिम समय तक मैं इन क्रांति कार्यों के लिए समर्पित रहूंगा मुझे गर्व है कि मैं संगठन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन के उपाध्यक्ष बी एस सिसोदिया ने कहा क्रांतिकारियों के लिए कार्य करने वाले आज राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनती जा रही है और यह संगठन लगातार कार्य कर रहा है आजाद जो कि हर वक्त अपने साथ एक रिवाल्वर रखते थे जो कहते थे कि मैं आजाद हूं आजाद रहूंगा संगठन के संरक्षक एमपी सिंह परिहार नेता की राष्ट्र आज इस समय गुजर रहा है एक समस्या नहीं कई समस्याओं के कारण आज हमें कई समस्याओं का सामना करना पड रहा है इस जागरण में सबसे पहले राष्ट्रभक्ति का जागरण अति आवश्यक है संगठन के कोषाध्यक्ष आरसी पांडे ने कहा लगातार संगठन ने 15 वर्षों से हर क्षेत्र में कार्य करते हुए देशभक्ति की जो पहचान बनाई है आज राष्ट्र के अंदर मुंबई ब्लास्ट में लोअर कोर्ट के डिसीजन को खारिज करते हुए फांसी के व्यक्तियों को बरी कर दिया यह हमें दुख का कारण है कई घुसपैठ की भारत के अंदर बैठे हुए हैं उन्हें भर करना होगा यही राष्ट्रभक्ति का उदाहरण है।इस अवसर पर महेश शर्मा द्वारा विशेष आजाद पर कविता पाठ किया गया मैं आजाद हूं आजाद रहूंगा आजाद के लिए हमेशा अपनी आवाज देता रहूंगा। नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली द्वारा भी कहा गया कि आज मंदसौर की पहचान आजाद की प्रतिमा के कारण पूरे प्रदेश में इतनी बड़ी प्रतिमा आजाद के भवर जन्म स्थल के बाद मंदसौर को सौभाग्य मिला है। संगठन के संरक्षक रविंद्र पांडे द्वारा भी विशेष आजादी का दिन आज के दिन भारत को आजादी मिली थी तिथि के अनुसार यह आजादी का अवसर आजाद की जन्म दिवस पर दोनों का परम सौभाग्य संगठन की नगर इकाई महिला अध्यक्ष सीमा चौरडिया द्वारा अभी काव्य पाठ किया गया अपने शब्दों के माध्यम से श्री चरणों में आजाद के पुष्पांजलि अर्पित की। अजीजुल्ला खान खालिद ने कहा इस मातृभूमि ने हमको बहुत कुछ दिया है इसके हम हमेशा ऋणी रहेंगे।

विकास वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में नि:शुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न

202 रोगियों का हुआ नेत्र परीक्षण, 34 रोगी मोतियाबिंद आपरेशन के लिए हुए चयनित

दलौदा, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवा के क्षेत्र में पिछले 4 वर्षों से कार्य कर रही विकास वेलफेयर फाउंडेशन संस्था दलौदा द्वारा निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन महाराणा प्रताप रिसॉर्ट दलौदा पर आयोजित किया गया जिसमें गोमाबाई नेत्रालय नीमच के डाक्टरों द्वारा रोगियों के नेत्र का परीक्षण किया गया महाराणा प्रताप रिसॉर्ट में आयोजित नेत्र परीक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी, भारत माता जी, चंद्रशेखर जी आजाद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष श्री विकास सुराना ने देते हुए विकास वेलफेयर फाउंडेशन संस्था द्वारा विगत 4 वर्षों तक किए गए कार्यों की जानकारी दी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है विकास वेलफेयर फाउंडेशन संस्था द्वारा लगातार समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे है नगर में नेत्र शिविर का आयोजन काबिल ए तारीफ है जिसमें मरीजों का परीक्षण के साथ साथ जो मोतियाबिंद पेशेंट होंगे उनका निशुल्क ऑपरेशन भी गोमाबाई नेत्रालय द्वारा किया जायेगा कार्यक्रम को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया ने संबोधित करते हुए कहा कि बिना आंखें के हम जीवन की कल्पना भी नहीं कर पाते है आंखें हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग होती है जिसके माध्यम से ही हम देख पाते है अगर आंख ही खराब हे तो उसका उपचार कराना जरूरी है और उस उपचार का सरलीकरण आपके गांव में कैंप लगाकर विकास वेलफेयर संस्था ने किया है जिसमें कैंप के साथ साथ पर्यावरण का भी ध्यान रखा गया हे जिसमें नागरिकों को पौधे का वितरण भी किया गया है भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष श्री राजेंद्र सुराना ने कहा कि समाज में सेवा का कार्य करना सबसे अनुकरणीय कार्य है जो हम सबको करना चाहिए और विभिन्न प्रकार के शिविरों के माध्यम से समाज सेवा के कार्य होने चाहिए विकास वेलफेयर संस्था लगातार अच्छा कार्य कर रहा है कार्यक्रम में गोमा बाई नेत्रालय के डॉ श्री राजेश मेहता ने गोमाबाई नेत्रालय नीमच द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के विषय में जानकारी दी साथ ही नेत्र परीक्षण में जो दवाई, चश्मे वो सब निशुल्क दिए जायेंगे साथ ही जो मोतियाबिंद के पेशेंट निकलेंगे उनका निशुल्क गोमाबाई नेत्रालय में ऑपरेशन किया जायेगा नेत्र शिविर कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर के गणमान्य नागरिकों को वृक्ष भी भेंट किए गए जिसे अपने अपने घर पर जाकर लगाने का आग्रह किया गया साथ ही चंद्र शेखर आजाद जी की जन्म जयंती भी मनाई गई नेत्र शिविर के दौरान 202 रोगियों का नेत्र परीक्षण किया गया साथ ही 34 रोगियों का मोतिया बिंद आपरेशन के लिए चयनित किया और 22 मरीजों को निशुल्क दवाई एवं 64 मरीजों को चश्मे वितरित भी किया गए कार्यक्रम में समाजसेवी श्री सोहन लाल सुराना, सरपंच श्री मति दुर्गा अनिल कैथवास, मंडल अध्यक्ष विकास सुराना, नेपाल सिंह सिसोदिया, विनोद डगवार, गोपाल पाटीदार, विजय मेहता, हेमंत धनोतिया, गोमाबाई नेत्रालय के डॉ श्री हर्षित बंसल, राजेश मेहता मंचासिन थे अतिथियों का स्वागत विकास वेलफेयर फाउंडेशन संस्था के अध्यक्ष श्री विकास सुराना, सचिव हेमंत धनोतिया, उपाध्यक्ष सुमित सेन, दिनेश पंवार नगर के वरिष्ठ मनोहर लाल सोनी, अजीत जैन, अनिल सुराना, अर्चना बाबूलाल टांक, बंशीलाल धनगर, डॉ सुरेंद्र जैन, रामस्वरूप तोतला, दिव्यांश सुराना, दिनेश चंद्र धनोतिया, जीवन रातडिया, विनोद धनोतिया, विनोद पोरवाल, शुभम धोखा, सतीश माहेश्वरी, अजय शर्मा, विक्रमा सिंह सिसोदिया, अनिल कैथवास, रवि मावर, परमानंद परमार, बलदेव पाटीदार, विशाल राठौड़, जितेंद्र तातेड, ईश्वर लाल रावत, पर्वत सिंह आंजना, बबलू शर्मा आदि ने किया इस अवसर पर बापूलाल शर्मा, अंकित सोनी, अमन फरक्या, प्रदीप सोनी, ओंकार लाल पड़ियार, देवीलाल धनगर, अभय सुराना, सुरेश मीना, जितेंद्र पोरवाल, परवीन भंडारी, मुकेश सगरावत, चंदू जैन, दीपक चौधरी, दीपक शर्मा सहित गणमान्य नागरिक, पत्रकार गण आदि उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितम्बर को

नीमच, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय नीमच तथा तहसील मुख्यालय मनासा, जावद एवं रामपुरा न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2025 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितम्बर, 2025 शनिवार को किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री वीरेन्द्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत में नीमच, मनासा, जावद एवं रामपुरा के न्यायालयों में विचाराधीन समझौता योग्य समस्त दाण्डिक, सिविल, विविध, मोटर दुर्घटना दावा, विद्युत अधिनियम, नगरपालिका, नगर पंचायतों, श्रम, बैंक, इत्यादि के प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह और समझौते से किया जायेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री शोभना मीना ने पक्षकारों से आग्रह किया है, कि उपरोक्त श्रेणी के समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कराने हेतु अपने अभिभाषकों से सम्पर्क करें व सम्बन्धित कार्यालयों में सहमति प्रस्तुत करें।

उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को सात दिवस पूर्व अस्पताल में भर्ती करे-कलेक्टर

रेतम बेराज एवं काका गाडगिल डेम के गेट खोलने से पूर्व प्रोटोकॉल का पालन करें, कलेक्टर ने मल्हारगढ़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोषण पुनर्वास केंद्र, तहसील एवं एसडीएम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने मल्हारगढ़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोषण पुनर्वास केंद्र, तहसील एवं एसडीएम कार्यालय का औचक निरिक्षण किया। पोषण पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने बेड की व्यवस्था, भर्ती किए गए बच्चों की स्थिति की जानकारी ली एवं अतिरिक्त बेड लगाने के निर्देश दिए। सीडीपीओ और बीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि कुपोषित बच्चों की सूची बनाएं तथा उनको तुरंत पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करवाये। बच्चों के पूरी तरह से स्वस्थ होने के पश्चात ही बच्चों को छुट्टी प्रदान करें। जो भी बच्चे पोषण पुनर्वास केंद्र में आते हैं, अगर वह अस्वस्थ हैं तो उन्हें तुरंत भर्ती करें। केंद्र में वॉशरूम एवं अन्य साफ सफाई व्यवस्था बहुत बेहतर तरीके की हो, किसी प्रकार की गंदगी न हो। परिसर में साफ एवं स्वच्छ वातावरण रहे। इस दौरान कलेक्टर ने केंद्र में भर्ती बच्चों से

चर्चा की, उनके परिजनों से संवाद किया। केंद्र में बच्चों सहित परिजनों को मिल रही खाने, पीने की व्यवस्था, पोषण आहार, उपचार आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने परिजनों से कहा कि अगर पुनर्वास केंद्र में किसी प्रकार के असुविधा हो तो तुरंत बताएं।

उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को सात दिवस पूर्व अस्पताल में भर्ती करे–कलेक्टर ने निर्देश दिए की, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को सात दिवस पूर्व अस्पताल में भर्ती करे। सभी गर्भवती महिलाओं की आशा के माध्यम से लाइन लिस्ट बनाए। इसके लिए आशा वाइज माइक्रो प्लान बनाए। एसडीएम लगातार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए और चेक करें। बॉडर लाइन केश को गंभीरता से देखे। इस दौरान कलेक्टर ने रेफरल रजिस्टर भी चेक किया, चेक करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मरीज को रेफर करने के पश्चात उसका फॉलोअप लगातार लेते रहे। हाई रिस्क प्रेगनेंसी वाली महिलाएं जिन्होंने अपना पूर्व में इलाज करवाया, उन महिलाओं को रोल मॉडल बनाएं तथा उनको 9 तारीख एवं 25 तारीख के दिन बुलाए तथा अपने अनुभव को अन्य महिलाओं के साथ साझा करवाए।

रेतन बेराज एवं काका गाडगिल डेम के गेट खोलने से पूर्व प्रोटोकॉल का पालन करें–कलेक्टर ने तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के इंजीनियर को निर्देश देते हुए कहा कि रेतन बैराज एवं काका गाडगिल सागर डेम के गेट खोलने से पूर्व प्रोटोकॉल का पालन किया जाए, गांव में गेट खुलने की मुनादी करवाए। तहसील कार्यालय में स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। वहां पर तैनात कर्मचारियों से संवाद किया। तैनात कर्मचारियों को निर्देश दिए कि फोन कॉल के माध्यम से बाढ़ राहत के संबंध में लोगों को उचित जानकारी प्रदान करें। कृषि विभाग से खाद की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। कृषि विभाग को निर्देश दिए कि आवश्यकता अनुसार खाद के लिए डिमांड भेजें। समय-समय रैक लगवाएं। सभी सोसाइटियों में खाद समय पर भिजवाए। तहसील कार्यालय में स्थित रिकॉर्ड रूम को मॉडर्न रूम बनाने के निर्देश दिए। नगर परिषद सीएमओ को निर्देश दिए की तहसील कार्यालय के सामने स्थित उद्यान के अंदर टूटे हुए झूले को तुरंत आज ही ठीक करें। बच्चों के खेलने के सभी उपकरण बहुत अच्छे से रखें और खराब होने पर तुरंत ठीक करवाए।

बेमौसम बारिश से फसलों को हो रहे नुकसान को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया

मंदसौर/नीमच, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बेमौसम बारिश से फसलों को हो रहे नुकसान को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होने कहा कि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और मौसम की चरम स्थिति के कारण फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। सरकार ने बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण किसानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है और देश में फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने और प्रभावित किसानों को समय पर राहत प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे है और सरकार ने विशेषकर उपरोक्त राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में बेमौसम बारिश से प्रभावित हुए किसानों को कोई वित्तीय

सहायता या मुआवजा दिया गया है। इसी के साथ ही उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत निर्धारित समय-सीमा के अनुसार कितनी धनराशि जारी की गई है।

प्रश्न के जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि मानसून सीजन 2025 (14 जुलाई, 2025 तक) के दौरान ओलावृष्टि व भारी बारिश तथा बाढ़ से कुल 1,58,651.077 हेक्टेयर फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ। प्रभावित फसलों में धान, गेहूं, जौ, सरसों, ज्वार, बाजरा, मक्का, प्याज और बागवानी फसलें शामिल हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी) के अनुसार, क्षति आकलन और ग्राउंड लेवल पर राहत उपाय प्रदान करने सहित आपदा प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के प्रयासों के लिए अपेक्षित लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। राज्य सरकारें, भारत सरकार की अनुमोदित मदों और मानदंडों के अनुसार, उपलब्ध राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 12 अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में, प्रभावित लोगों को वित्तीय राहत प्रदान करती हैं। तथापि, गंभीर प्रकृतिश् की आपदा की स्थिति में, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) के दौरे के आधार पर किया गया आकलन शामिल है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता क्षतिपूर्ति के रूप में न होकर राहत के रूप में प्रदान की जाती है। वही उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 1013.7 लाख बीमित किसानों के आवेदन प्राप्त हुए है जिनकी 1001 लाख हेक्टेयर भूमि को चिन्हित किया गया जिसके तहत 30248.5 करोड़ रूपये का लाभ दिया गया।

जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आज दिनांक 23 जुलाई,2025 को शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, मंदसौर में जल संरक्षण पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता रहे युवराज माली, हर्षनाथ, युवराज सिंह को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विजय सिंह पुरावत ने जल संरक्षण पर विचार रखते हुए छात्रों से जल को सहेजने की बात की। सीबीसी के प्रभारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि पीने योग्य पानी सीमित मात्रा में है। पानी के संरक्षण के महत्व को समझने की बात पर जोर दिया। इस दौरान व्याख्याता राम नारायण परिहार, हेमन्त साहू एवं छात्र उपस्थित रहे।

भगवान श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर की दानपेटियों से निकली 5 लाख 53 हजार रू. की राशि

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ग्राम लदूसा स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) मंदिर अंचल ही नहीं पूरे देश में ख्याति अर्जित करता जा रहा है। यहां विराजित भगवान श्री सांवलिया सेठजी के दर्शनार्थ दूर-दूर से भक्त आ रहे है। यहां हर चौदस पर मंदिर में रखी दान पेटियों को खोला जाता है। इस बार कृष्ण पक्ष की चौदस 23 जुलाई को मंदिर की दानपेटियों से 5 लाख 53 हजार 190 रू. की दान राशि प्राप्त हुई। जिसे मंदिर समिति के बैंक खाते में जमा कराया गया।

उक्त जानकारी देते हुए मंदिर समिति के महेश व्यास लदूसा ने बताया कि साथ ही दानपेटियों से अब विदेशी करेंसी भी प्राप्त होने लगी है इस बार नाइजीरिया, कुवैत, नेपाल व केन्या सहित अन्य देशों की करेंसी दानपेटी से निकली। एक भक्त द्वारा नोट गिनने की मशीन भी मंदिर समिति को दान की गई। महेश व्यास लदूसा ने बताया कि प्रति 24 जुलाई को हरियाली अमावस्या होने से मंदिर पर दर्शन के लिये सुबह 5 बजे से रात्रि 11 बजे तक दर्शन में हजारों की संख्या में दर्शनार्थी के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु मंदिर समिति द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है। आज 24 जुलाई, गुरूवार को हरियाली अमावस्या के दिन सायं 7.30 बजे मंदिर में महाआरती का आयोजन रखा गया है। उसके पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन किया गया है जिसके लाभार्थी श्री भेरूलाल पिता बगदीराम धाकड़ (बड़वन वाले) रहेंगे। मंदिर समिति ने सभी धर्मालुजनों से महाआरती व महाप्रसादी में पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर पर होगा सहस्त्रधाराओं से अभिषेक

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आज 24 जुलाई, गुरुवार को दोपहर पश्चात हरियाली अमावस के शुभ दिवस पर एक शिव भक्त द्वारा उनके निजी व्यय पर 5 पंडितों के मंत्रोच्चारण के साथ चमत्कारी बाबा महादेव का अभिषेक होगा जिसके बाद महादेव का अद्भुत नयनाभिराम विहंगम श्रृंगार किया जाएगा उसके पश्चात् महाआरती एवं महाप्रसादी में हरियाली अमावस त्यौहार दिवस पर आने वाले भक्तों को मालपुवे की प्रसाद वितरण की जावेगी।

महिला भक्त मित्र मंडल ने सभी भक्तों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर हजारों धारा सहस्त्र धाराओं एवं पांच बड़े विद्वान पंडितों के मुखारविंद मंत्रो के उच्चारण से सम्पन्न होगा अभिषेक ऐसे भव्य अभिषेक में भाग लेकर इस नि:शुल्क अभिषेक आयोजन में उपस्थित होकर महाआरती व महाप्रसादी का आनंद ले सकते है। इसके लिए सभी शिव भक्तों को आमंत्रण के लिए मन्दिर समिति के अध्यक्ष श्रीमती नीलम शर्मा, उपाध्यक्ष लता लोहार, ज्योति भीरमा, सचिव राखी त्रिवेदी, सहसचिव उषा शर्मा, कोषाध्यक्ष भावना शर्मा, संचालक पुष्पा शर्मा, गिरजा पाटीदार, ज्योति भाटी, रेखा

सोनी, अनुसिया टेलर, रानी शर्मा गायत्री माहेश्वरी, आशा शर्मा, दुर्गा सिसोदिया, बीना राठौर, समिति सलाहकार संयोजक अरुणा मिश्रा, मीडिया प्रभारी किरण शर्मा ने अभिषेक में भाग व दर्शन लाभ लेकर महाआरती एवं महाप्रसादी में आने की अपील की। यह जानकारी मंदिर समिति के सेवक एस एल शर्मा ने दी।

हनुमान चालीसा का आयोजन सम्पन्न

मनासा, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मौसम की तेज बारिश भी हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ करने वाले भक्तों के अपार उत्साह को रोक नहीं पाई और हनुमान चालीसा का 44 वा आयोजन भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। नगर की धनोतिया कालोनी स्थित इच्छापूर्ण महादेव मंदिर पर सनातन सत्संग मंडल द्वारा आयोजित धनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक पाठ भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। भरी बरसात के बीच सामूहिक पाठ में बड़ी संख्या में भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सामूहिक पाठ के इस आयोजन में उपस्थित भजन गायकों ने अपने भजनों की छाप छोड़ी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित विष्णु बारेठ (जूनियर रविन्द्र जैन)) ने सुनो सुनो श्री राम कहानी...को अपने मधुर स्वर में गाते हुवे कार्यक्रम को सार्थकता प्रदान की साथ में राज कुमार मारू, कमलेश विजयवर्गीय, ओम सोनी,सत्यनारायण सोनी ने भी अपने भजनों में महावीर का वार है यह सच्चा दरबार हे सच्चे मन से

जो भी गावे उसका बेड़ा पार हे ...दुनिया में देव हजारो हे बजरंगबली का क्या कहना...सियाराम के काज संवारे करो मेरा उद्धार,. आदि सुंदर भजनों की भक्तिमय प्रस्तुति दी जिसको विजय उपाध्याय ने संगीत दिया।

नगर के धनोतिया कालोनी स्थित श्रीईच्छापूर्ण महादेव और श्री हनुमान मंदिर पर सनातन सत्संग मण्डल के तत्वाधान में इस 44 वे सामुहिक श्रीहनुमान चालीसा पाठ के लाभार्थी बने थे धनोतिया बंधु घनश्याम, राजमल, पारस,नितेश,संदीप धनोतिया सहित रामविलास मंडवारिया, घनश्याम धनोतिया(बनी) सहित कालोनी वासियों ने दीप प्रज्वलित कर श्रीहनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन के साथ पाठ का शुभारंभ किया।पूजा विधि पंडित संजय शर्मा ने सम्पन्न की। सनातन सत्संग मण्डल ने भरी बरसात में भी आयोजन में भारी संख्या में पधारने पर सभी सनातन परिवार एवं लाभार्थी परिवार का आभार व्यक्त किया गया। आगामी 45वां सामुहिक पाठ दिनांक 29 जुलाई मंगलवार को श्री अन्नपूर्णा मंदिर पर सम्पन्न होगा।

************* सफलता की कहानी *************

नीमच में विद्यार्थियों की कलम बनी गरीबों की आवाज़, कलेक्टर की पहल से बदल रही तस्वीर...

जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों को मिली नि:शुल्क आवेदन लिखवाने की सुविधा

नीमच, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में अब विद्यार्थी सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं हैं, वे समाज की पीड़ा को भी समझ रहे हैं और उसे शब्दों में ढालकर प्रशासन तक पहुँचा रहे हैं। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अभिनव पहल ने छात्रों को सामाजिक सरोकार से जोड़ दिया है। इसके तहत स्कूली छात्र अब हर मंगलवार जनसुनवाई में आने वाले निरक्षर व जरूरतमंद आवेदकों के लिए आवेदन पत्र लिखते हैं, जिससे न सिर्फ पीड़ितों की मदद हो रही है बल्कि छात्रों का भी सामाजिक और व्यावहारिक ज्ञान बढ़ रहा है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की यह सोच अब शिक्षा और सेवा का बड़ा माध्यम बन गई है। नवंबर 2024 से प्रारंभ की गई इस पहल में सरकारी और निजी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को जनसुनवाई कक्ष के बाहर बिठाया जाता है, ताकि वे जनसुनवाई में आने वाले जरूरतमंद, अशिक्षित या असहाय लोगों के आवेदन लिख सकें। इससे पहले तक ये फरियादी आवेदन टाइपिंग कराने के लिए 200–400 रुपए तक खर्च करते थे, लेकिन अब यह काम नि:शुल्क हो रहा है। यह न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आवेदकों को राहत दे रहा है, बल्कि छात्रों के लिए भी यह अनुभवात्मक शिक्षा बन गया है। छात्रों को अब समझ आने लगा है कि एक आवेदन केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि किसी की पीड़ा, उम्मीद और अधिकार की मांग है। वे जान रहे हैं कि किस प्रकार शासकीय योजनाएं आम जन तक पहुंचती हैं और प्रशासन उस पर कार्रवाई करता है।

उत्कृष्ट विद्यालय नीमच की शिक्षिका कविता सेन ने बताया कि, 'हर मंगलवार को पांच बच्चों को यहां जनसुनवाई में लेकर आती हूं, यहां कलेक्टर ने बहुत अच्छी सुविधा कर रखी है। यहां जो फरियादी आते हैं जो अनपढ़ होते हैं या किसी को आवेदन लिखने में समस्या आती है तो यहां बच्चों

के द्वारा उनके नि:शुल्क आवेदन लिखे जाते हैं। इससे बच्चों का भी व्यावहारिक ज्ञान बढ़ता है, उनकी राइटिंग में सुधार होता है अशुद्धियां भी बहुत कम करते हैं। साथ ही इससे फरियादियों को भी सुविधा मिल रही है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र श्री विनायक शर्मा ने बताया कि, हमको यहां हर मंगलवार को कलेक्टर महोदय के द्वारा बुलाया जाता है यहां पर हम जो लोग अनपढ़ हैं या ठीक से लिख नहीं पाते उनका हम आवेदन लिखते हैं, जिससे उनको मदद मिलती है और इसके लिए उनका किसी प्रकार का शुल्क नहीं लगता है। हमें भी यहां आकर बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है, हमको यहां के कई विषयों से अवगत कराया जा रहा है। जिले में किस-किस तरह की समस्याएं होती है। उनसे हम अवगत हुए है। यह आगे हमें भी काम देगी और जब हम पहले शुरुआत में आते थे तो बहुत सी गलतियां होती थी लेकिन अब उनमें बहुत सुधार हो चुका है। हम किसी भी प्रकार का आवेदन अब लिख सकते हैं। नीमच के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीआरपीएफ के छात्र मो. उस्मान अब्बासी ने बताया, 'मैं पिछले एक साल से यहां आवेदन लिखने आ रहा हूं। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने यह एक अच्छी पहल की है, इसमें हम ग्रामीणों की जो समस्या है, उनके समाधान में हम उनकी सहायता करते हैं। यहां लोग अलग-अलग समस्या लेकर आते हैं जो लोग पढ़े लिखे नहीं हैं वह एप्लीकेशन नहीं लिख पाते उनकी एप्लीकेशन लिखकर उनकी सहायता करते हैं। उन्हें मार्गदर्शन करते हैं। उन्हें हम बताते है कैसे टोकन लेना है, कैसे जाना है, कहां आवेदन देना है, वह सब हम बताते हैं।' नीमच जिले की यह पहल एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है। यह शिक्षा को समाज सेवा से जोड़ने की एक सशक्त कोशिश है। विद्यार्थी अब केवल परीक्षा के लिए नहीं, समाज को बेहतर बनाने के लिए भी लिख रहे हैं। यह प्रयोग आने वाले समय में अन्य जिलों और राज्यों के लिए उदाहरण बन सकता है।

डेढ़ सौ से ज्यादा पुलिस वालों के स्वास्थ्य की जांच

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस द्वारा लायंस क्लब मंदसौर के तत्वाधान में पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं जवानों का हेल्थ चेकअप शिविर लगाया गया। जिसमें जिले के थाना/ चौकी एवं पुलिस कप्तान कार्यालय के 170 पुलिस अधिकारी कर्मचारियो स्वास्थ्य लाभ लिया। इस दौरान बीपी, शुगर, ईसीजी, नेत्र एवं दंत परीक्षण समेत अनेक बीमारियों का परीक्षण किया गया।

पुलिस लाईन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 11 सदस्यीय डॉक्टर एवं उनके स्टाफ द्वारा पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ. सुरेश पमनानी, डॉ. सुशील देवडा (ड्यूटी डॉक्टर), डॉ. श्रुति चेलावत (दंत रोग विशेषज्ञ), डॉ. विक्रांत भावसार (नेत्र विशेषज्ञ) सहित अन्य चिकित्सक और मेडिकल स्टॉफ द्वारा पुलिसकर्मियों के ब्लड शुगर, बीपी, ईसीजी, नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण समेत अन्य बीमारियों के परीक्षण किए गए।

पानी भरने से आईलैंड प्लेटफार्म का काम ठप्प

ढोढर-दलौदा सेक्शन का सीआरएस इंस्पेक्शन 30 को

रतलाम, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच तरफ से आने वाले दूसरे ब्रॉडगेज ट्रैक को कनेक्ट करने के लिए रतलाम में प्लेटफॉर्म 7 की लंबाई बढ़ाकर बनाए जा रहे आईलैंड प्लेटफॉर्म का काम ठप पड़ा है। इसके लिए 02 माह से खुदाई की जा रही थी, जिसमें बारिश का पानी भर गया है। इसके चलते ना तो मशीनें चल पा रही हैं और ना ही मजदूर उतर पा रहे हैं। ऐसे में दूसरे छोटे-मोटे काम निपटाए जा रहे हैं।

ढोढर से दलौदा के बीच का वर्क फिनिशिंग लेवल पर आ गया है। करीब 20 किमी लंबे सेक्शन में बिछाए गए दूसरे ब्रॉडगेज ट्रैक का 30 जुलाई को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) इंस्पेक्शन कर सकते हैं। इसके पहले अधिकारी चेकिंग और स्पीड ट्रायल करेंगे। दरअसल 24 जून को मंडल के दौरे पर आए रेलवे बोर्ड अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने रतलाम-नीमच दोहरीकरण को समय पर पूरा करने के लिए कहा था। रेलवे ने दिसंबर 2025 तक 133 किमी लंबे सेक्शन को डबलिंग करने का टारगेट बना लिया है।

तीन दिन बंद रहा अंडर ब्रिज से आवागमन- डबलिंग वर्क में कनवारा रोड और ढोढर स्टेशन के बीच वाले रोड अंडर ब्रिज नंबर 402 ए को भी चौड़ा किया जाना है। इसके लिए रेलवे 21 से 23 जुलाई तक ब्लॉक लिया गया था। इसके कारण 21 जुलाई को सुबह 6 से 23 जुलाई को शाम 6 बजे तक ब्रिज का यातायात बंद रहा।

प्लेटफॉर्म 07 के दोनों तरफ होंगे ट्रैक- आईलैंड प्लेटफॉर्म बनने के बाद प्लेटफॉर्म 07 के दोनों तरफ रेलवे ट्रैक हो जाएंगे। हालांकि आईलैंड प्लेटफॉर्म की लंबाई बाकी से कम होगी। इसके लिए वर्तमान प्लेटफॉर्म 07 की लंबाई नीमच की तरफ 350 मीटर बढ़ाई जा रही है। इस बढ़े हुए हिस्से में एक तरफ वर्तमान दिल्ली-मुंबई से कनेक्ट होकर आ रही ब्रॉडगेज लाइन होगी। ज्यादातर ट्रेनों का संचालन इससे होगा, जबकि दूसरी तरफ नीमच की तरफ से बिछते हुए आ रहा ब्रॉडगेज ट्रैक डलेगा। इससे सिर्फ रतलाम से चलने और यहां तक आने वाली ट्रेनों का ही संचालन होगा।

चार स्टेप में प्रोजेक्ट का अपडेट- 1. 65 किमी लंबे धौंसवास (रतलाम) से ढोढर तक के सेक्शन में नया ब्रॉडगेज ट्रैक डल गया है। इससे ट्रेनों की आवाजाही हो रही है। 2. 25 किमी लंबे नीमच से मल्हारगढ़ तक के सेक्शन में भी दूसरी लाइन बिछ गई है। उसे भी ट्रेनों के लिए खोल दिया है। 3. अभी 20 किमी लंबे ढोढर-दलौदा सेक्शन पर फोकस्ड वर्क हो रहा है। (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) सीआरएस निरीक्षण 30 जुलाई को होना है। 4. इसके बाद 23 किमी लंबा दलौदा से मल्हारगढ़ तक का सेक्शन बचेगा, उसे भी दिसंबर तक पूरा करने का टारगेट है।

दोहरीकरण के फायदे- ✻ प्लेटफॉर्म 07 पहले से दिल्ली-मुंबई रूट से कनेक्ट है। ✻ दो लाइन होने से ट्रेनों का मूवमेंट फास्ट होगा इससे नई ट्रेनों को चलाने में आसानी होगी। ✻ प्लेटफॉर्म 5-6 का लोड कम होगा, प्लेटफॉर्म 4 का पैसेंजर दबाव भी कम हो जाएगा।

हर्ष और उल्लास के साथ पालकी एवं सवारी का आयोजन करें

ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा, कलेक्टर ने पालकी एवं राजसी (शाही) सवारी के संबंध में बैठक कर सवारी रुट का भ्रमण किया

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने भगवान पशुपतिनाथ की आयोजित होने वाली पालकी एवं राजसी (शाही) सवारी की व्यवस्था के संबंध में पशुपतिनाथ मंदिर सभागार में बैठक की। बैठक के पश्चात सवारी मार्ग का भ्रमण किया। बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि परंपरागत तरीके से हर्ष और उल्लास के साथ पालकी एवं सवारी का आयोजन करें। ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। डीजे के स्थान पर ढोल एवं परंपरागत तरीके के वाद्य यंत्र का प्रयोग करें। आयोजन के दौरान परंपराओं का विशेष तौर पर ध्यान रखें। प्राचीन परंपराओं के अनुसार ही आयोजन किया जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, एडिशनल एसपी सहित अन्य सभी जिलाधिकारी, सवारी आयोजन कर्ता, सदस्य गण मौजूद थे।

बैठक के दौरान निर्देश दिए गए की सवारी के दौरान समय का विशेष तौर पर ध्यान रखें। मंदिर से सवारी समय पर निकले तथा वापस समय पर मंदिर पर पहुंचे। समय का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रत्येक रूट पर समय तय हो। मंदिर परिसर में विद्युत व्यवस्था, लाइट सज्जा बहुत बेहतरीन तरीके से की जाए। बारिश को ध्यान में रखते हुए लाइट का विशेष तौर पर ध्यान रखें। नगर पालिका को निर्देश देते हुए कहा की सवारी निकलने के बाद मार्ग की साफ-सफाई तुरंत करवाए। रूट मार्ग पर जीर्ण शीर्ण भवनों को तीन दिवस में हटाए। रास्ते में गड्ढों को ठीक करें। डिवाइडर से किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। एमपीईबी विभाग ट्रांसफार्मर, वायर जरूर चेक करें। झूलते हुए तार को ठीक करें। अर्थिंग प्वाइंट को चेक करें। स्वास्थ्य विभाग एंबुलेंस की व्यवस्था करें तथा डॉक्टर की ड्यूटी लगाएं। पुलिस विभाग ट्रैफिक व्यवस्था का पालन करवाए।

गौ माता की रक्षा-सुरक्षा व विचरण करने के लिये स्थान दिये जाने की मांग को लेकर...

विश्व हिन्दू परिषद गौरक्षा विभाग ने मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद, गौ रक्षा विभाग मंदसौर प्रखण्ड मंदसौर द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम तहसीलदार मंदसौर को ज्ञापन देकर गौ माता की रक्षा सुरक्षा व विचरण करने के लिये स्थान दिये जाने की मांग की गई साथ ही मंदसौर स्थित गौशाला की अव्यवस्थाओं को को सुधारने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से विहिप ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार के प्रयास से गोशाला की व्यवस्था भ्सुदृढ़ हुई है, परन्तु वर्तमान में कई गोशालाये खाली है जहां गो माता को रखा जा सकता है, व कई गोशाला की स्थिति व रखरखाव ठीक न होने से, गोशाला में कीचड़ होने से गोमाता बीमार होकर उनकी मृत्यु हो रही है, उनके अंतिम संस्कार के स्थान की भी उचित व्यवस्था न होने से उनको कही भी फेक दिया जाता है, साथ ही कही गो शालाओ की समितियां गो माता को रखने से मना कर देते है जिसके कारण गो माता को लोग भूखी प्यासी सड़को पर छोड़ देते है। ओर हिन्दू समाज की आस्था का केंद्र गो माता आज भी दर दर भटकने को मजबूर है। सड़को पर चलने वाले वाहन अंधाधुन गति से चलते है जिस कारण गो माता घायल हो रही है और दुर्भाग्य से उसकी इसी दशा में मृत्यु भी हो रही है। पिछले कुछ दिनों पूर्व सुवासरा जनपद अध्यक्ष द्वारा शराब के नशे में अपनी कार से 2 गोमाताओ कुचला गया जिसमें एक गो माता गर्भवती भी थी जिसकी मृत्यु मोके पर ही हो गई, ऐसे ही नीमच जिले से गुजरने वाले महू नीमच मार्ग पर एक ट्रक चालक द्वारा 3-4 गो माताओ को अपनी गाड़ी से कुचल दिया गया, ऐसी घटनाये आये दिन होती है। किसानो द्वारा उनी फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिए कीटनाशक के छिड़काव किये जाते है जिससे अनजान गो माता फसल या मेड पर चारा खाने को जाती है तो वहां भी अपनी मृत्यु व बीमारी को झेलती है, गो माता का इस दशा में रहना हिन्दू समाज, व सरकार के लिए भी उचित नही है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखकर गो माताओ के लिए उचित व्यवस्था करें, व गोशालाओ को आदेशित किया जाए कि गो माता को रखने से मना न किया जावे व उनकी उचित सेवा करे, व प्रशासन को आदेशित किया जावे की गोशालाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया जावे। स्थानीय प्रशासन को भी आदेशित किया जाए कि जब तक गोअभ्यरण में गो माता के सुरक्षा के विशेष इंतजाम नही किये जायें तब तक गो माता को वहां मरने के लिए न छोड़ा जाए,। साथ ही महू नीमच मार्ग व दिल्ली बम्बई मार्ग पर बारिश का लाभ उठाकर गो तस्कर अपने मंसूबो में कामयाब हो रहे है इस तस्करी को रोकने के लिए भी ठोस कदम उठाए जावे।

साथ ही मंदसौर शहर में की समस्या को लेकर दिये ज्ञापन में कहा कि श्री कृष्ण गौशाला समिति द्वारा संचालित बस स्टैंड पर, 10 नंबर नाके पर तथा नवलखा बौड पर गौशाला है। जहां पर हजारों की संख्या में गोवंश के लालन पालन की व्यवस्था है उक्त समिति द्वारा मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी गौशाला को सभालने का कामकाज किया जाता है परंतु दुर्भाग्यवश गौशाला समिति द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके कारण आए दिन समाचारों पत्रों व मीडिया के माध्यम में गौ माता के संबंध में दुखद खबरे मिलती है जिससे हमारा मन काफी आहत होता है। समिति के कर्मचारियों द्वारा गौशालाओं में दानदाताओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किया जाता है तथा इन गौशालाओं यी पीने के पानी हेतु खेर बनी है उसकी भी सफाई व्यवस्था काफी खराब है खराब पीने की पानी की वजह से आए दिन गौमाताएं बीमार हो जाती है। बीमार गायों का समय पर इलाजं न होना, समुचित रूप से गोवंश के लिए पर्याप्त शेड न होता, रात बेरात कोई गौवंश अचानक बीमार हो जाए उसके लिए कोई देखरेख करने वाले की व्यवस्था न होता, समिति द्वारा मवेशियों को दलदल वाली जगहों में घास घरने हेतु भेजा जाता है इस कारण से कई गौ माताएं बीमार हो जाती है या भूख प्यास के कारण वहीं दम तोड़ देती है, आदि अनेक समस्याएं। जिनका उचित निराकरण करना आवश्यक है। हमारी मांग है कि उक्त गौशालाओं में गौ माता के लिए उपचार हेतु एक अलग से क्लीनिक की व्यवस्था हो जो 24 घंटे एक पशु चिकित्सक उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारी माह में एक चार सभी गौशालाओं का औचक निरीक्षण करे तथा अव्यवस्था पाए जाने पर सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

ज्ञापन का वाचन विहिप जिला गौरक्षा प्रमुख अमरदीप कुमावत ने किया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत संपर्क प्रमुख गुरूचरण बग्गा, विहिप जिलाध्यक्ष डॉ. प्रवीणसिंह मण्डलोई, जिला मंत्री हेमन्त बुलचंदानी, प्रखण्ड अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा, विहिप जिला गौरक्षा प्रमुख अमरदीप कुमावत, प्रतीक व्यास, अंतिम देवड़ा, प्रदीप मोटवानी, गौरवसिंह गोड़, शंकर शर्मा, वैभव, अजय, लक्की गोसर, गोपाल टांक, गोविन्द नागदा, रितेश मतराना, आजाद कुमावत, रूपेश संचेती, नन्दू आडवानी, राजेश चाहूजा, रमेशचन्द्र चन्द्रे, बी.एस. सिसौदिया, विनोद जाट, गौरव शर्मा, मदन माली, अभिनव सिसौदिया, अजय सिंघम, राजेश शर्मा, कान्हा, राहुल, अक्षय मोर्य, बी.एस. सिसौदिया, हरिश राव, हरिश कल्याणी, विनोद प्रजापत, मदन माली, वामदेव, अशमीत भारती, वेदांश गौड़, नारायण माली, दीपक, कांजी पटेल सहित बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित थे।

शहर की बैंक कालोनी में चोरी की वारदात

बदमाशों ने सूने मकान को बनाया निशाना, पुलिस ने डॉग स्क्वाड से कराई सर्चिंग

नीमच, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर की पॉश कॉलोनी एक बार फिर चोरों के निशाने पर आ गई है। कैंट थाना क्षेत्र स्थित बैंक कॉलोनी के बंगला नंबर-10 में बीती रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार यह मकान सुनील जैन पाटनी का है, जो पिछले तीन महीनों से कैन्या में अपने बेटे के पास रह रहे हैं। बदमाशों ने मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात को सूना मकान देख वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। बुधवार सुबह पड़ोसी विकास जैन को सुनील जैन के मकान के बाहर एक टीवी पड़ा दिखाई दिया, जिससे उन्हें संदेह हुआ। उन्होंने तत्काल अन्य रहवासियों को सूचना दी और इसके बाद कैंट थाने पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कैंट थाना प्रभारी पुष्पा सिंह चौहान पुलिस बल एवं डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की गई।

पुलिस ने मकान का निरीक्षण कर फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड की मदद से सुराग जुटाने की कोशिश की। प्रारंभिक जांच में मकान के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ के निशान भी मिले हैं। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि घर से क्या-क्या सामान चोरी हुआ है। सुनील जैन के विदेश से लौटने के बाद ही नुकसान का सही आकलन हो सकेगा। स्थानीय रहवासियों ने कॉलोनी में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

आज देव डूंगरी माता की महाआरती पश्चात पौधरोपण होगा

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आज देव डूंगरी माता मंदिर, पर हरियाली अमावस्या के पावन पर्व 23 जनवरी गुरुवार को प्रात: 10.30 बजे माता रानी की भव्य महाआरती होगी। मालपुए का भोग लगेगा। जय अम्बे, देवडूंगरी मातारानी भक्त मंण्डल अध्यक्ष बंशी राठौर, राधेश्याम मारू, जगदीश बैरागी, नरेन्द्र मालवीय ने बताया की रेवास देवड़ा रोड़, स्थित मंदिर परिक्षेत्र मे प्रात: 11.00 बजे एनजीओ के आह्वान पर एक पेड़ मॉ के नाम अभियान तहत वह्द पौधारोपण भी किया जाऐगा, जिसमे शहर की कई धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल होगे। भक्त मंण्डल ने बताया की यह मंदिर चमत्कारी एक प्रसिद्ध मंदिर है, मंदिर तक पहुंचने के लिए 151 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। यह मंदिर मंदसौर शहर नेहरू बस स्टैंड से से लगभग 9 किलोमीटर दूर है। यह मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। देव डूंगरी माता मंदिर, मंदसौर में स्थित एक लोकप्रिय मंदिर है। यहां पुरे सावन मास प्रति रविवार को सामाजिक संगठनों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है।

केवल इस वर्ष शाही सवारी मार्ग में आंशिक परिवर्तन...

खानपुरा क्षेत्रवासी नवीन पुलिया चौराहा पर करें भगवान की अगवानी

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। परम्परा अनुसार श्रावण मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को निकलने वाली भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की शाही सवारी को लेकर तैयारियां जोर शोर से जारी है। शाही सवारी और पालकी यात्रा को लेकर आज प्रशासन के साथ मण्डल पदाधिकारियों द्वारा मार्ग का निरीक्षण किया गया। मार्ग के मरम्मत, वायरिंग व निर्माण कार्यों र्को लेकर चर्चा की गई। साथ ही खानपुरा में बरगुण्डा मोहल्ले के यहां मार्ग और पुलिया के निर्माण कार्य चल रहा है और हाल ही में नवनिर्मित पुलिया बनी है इस कारण से शाही सवारी सत्संग भवन की तरफ से नहीं जायेगी और सीधे पुलिया (ब्रिज) से होकर सीधे खानपुरा आयेगी। केवल इस वर्ष ही शाही सवारी निर्माण कार्य के कारण इस मार्ग से निकाली जाएगी बाकी हर वर्ष जो परम्परागत मार्ग है उसी से शाही सवारी निकलेगी।

भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव प्रात:कालिन आरती मण्डल के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, प्रवक्ता उमेश परमार ने जानकारी देते हुए बताया कि खानपुरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में भक्तों द्वारा भगवान की आराधना कर स्वागत किया जाता है परन्तु इस वर्ष बरगुण्डा मोहल्ले के यहां निर्माण कार्य होने के कारण शाही सवारी मार्ग को आंशिक परिवर्तित किया गया है और अब शिवना के नवीन ब्रिज और खानपुरा वाले ब्रिज से सीधे खानपुरा चौराहा चोराहे पर शाही सवारी आ जायेगी और फिर खानपुरा से परम्परागत मार्ग मण्डी गेट, सदर बाजार, धानमण्डी, बड़ा चौक, गणपति चौक, शुक्ला चौक, कालाखेत रोड़ नं. 1, नीलम होटल मार्ग, बड़े बालाजी बस स्टेण्ड, कालिदास मार्ग, घण्टाघर, मण्डी गेट होते हुए पुन: मंदिर परिसर पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि केवल इस वर्ष के लिये ही यह मार्ग का आंशिक परिवर्तन किया गया है। मण्डल सभी खानपुरा निवासियों से आव्हान करती है कि वह नवीन ब्रिज के यहां आकर स्वागत और भगवान की रजत प्रतिमा का पूजन अर्चन करे और धर्मलाभ लेवे।

बाबा मंशापूर्ण महादेव 28 को देंगे दर्शन

मनासा, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदिरों की नगरी में आस्था के केंद्र बाबा मंशापूर्ण महादेव अपने पूरे लवाजमे के साथ 28 जुलाई सोमवार की दोपहर में नगर की जनता को दर्शन देने निकालेंगे। बाबा की भव्य महा सवारी की सफलता को लेकर मंशापूर्ण भक्त मंडल करीब एक माह से व्यापक तैयारियो में जुटा हुआ हे। महा सवारी के एक दिन पूर्व 27 जुलाई को भक्त मंडल विशाल वाहन रैली निकालते हुवे नगर की धर्मप्रेमी जनता को बाबा मंशापूर्ण महादेव की भव्य महासवारी में आमंत्रित करने हेतु पीले चावल देने निकलेगा। भक्तमंडल के तत्वाधान में निकलने वाली बाबा मंशापूर्ण महादेव की यह 19 वीं विशाल महासवारी हे।इस महासवारी बाबा के लावा लश्कर में बैंड बाजे 51 ढोलो की पार्टी, नगर के युवाओं की ताशा पार्टी, भजन मंडलिया, गुजरात के मशहूर बैंड, दिल्ली की आकर्षक स्वांग धारी पार्टी, भूत प्रेतो की टोलियां के साथ बाबा मंशापूर्ण महादेव नयनाभिराम शृंगार लिए फूलों से सजे रथ में विराजित होकर भक्तों को दर्शन देने निकालेंगे। भक्त मंडल ने नगर के सभी समाज, सामाजिक संस्थाओं राजनीतिक पार्टियों, आदि से इस विशाल भव्य बाबा मंशापूर्ण महादेव की सवारी में शामिल होने का आमंत्रण दिया है।

✻✻✻✻ विज्ञप्ति ✻✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम हुकुमचंद (HUKUM CHAND) पिता बालाराम (BALARAM) है जो कि मेरे ड्रायविंग लायसेंस में हुकुमचंद्र (HOOKUM CHNADRA) पिता बालाराम (BALARAM) हो गया है जिसका सुधार हेतु परिवहन कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। दोनों नाम मेरे है सुधार करने की जवाबदारी मेरी रहेगी।

✻✻✻✻✻✻ सूचनाकर्ता ✻✻✻✻✻✻

HUKUM CHAND S/o BALARAM

Semliya Rani, The-Sitamau, Mandsaur

पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट और सुविधाओं को लेकर विधायक जैन ने उठाया विधानसभा में सवाल

विधायक जैन ने पूछा पत्रकार सुरक्षा कानून कब लागू होगा और इसके लिये सरकार ने क्या कदम उठाए ?

मंदसौर, 23 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश में लंबे समय से ठंडे बस्ते में पडी पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर मंदसौर के जागरूक विधायक विपिन जैन ने विधानसभा में जोरदार ढंग से मुद्दा उठाया है। विधायक जैन ने पत्रकारों के लिए आवास, वेतन, स्वास्थ्य, पेंशन और अन्य सुविधाओं के साथ-साथ पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की समय-सीमा और प्रोत्साहन योजनाओं के संबंध में सरकार से जवाब मांगा। उनके इस कदम से प्रदेश के पत्रकार जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है।

विधायक श्री जैन ने पत्रकारों के लिए आवास, वेतन, स्वास्थ्य और पेंशन सुविधाएं को दृष्टिगत रखते हुए सरकार से सवाल किया कि क्या पत्रकारों के लिए आवास, वेतन, स्वास्थ्य और पेंशन सुविधाओं के संबंध में कोई दिशा-निर्देश मौजूद हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश सरकार ने 2023 में पत्रकारों के लिए कुछ सुविधाओं की घोषणा की थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के मालवीय नगर में पत्रकार भवन को स्टेट मीडिया सेंटर के रूप में विकसित करने और पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा की राशि सरकार द्वारा वहन करने की घोषणा की थी। इसके तहत सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि को 20,000 रुपये से बढ़ाकर 40,000 रुपये किया गया था। साथ ही, जिला स्तर पर पत्रकारों की सोसायटी के लिए कॉलोनी हेतु जमीन आवंटन की दिशा में कार्य करने की बात कही गई थी। हालांकि इन योजनाओं के क्रियान्वयन और वर्तमान स्थिति के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव है। विधायक जैन ने इस मुद्दे पर सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी है, ताकि पत्रकारों को इन सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित हो सके। पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर विधायक जैन ने सरकार से पूछा कि यह कानून कब तक लागू होगा और इसके लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं ? 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए एक कमेटी गठित करने की घोषणा की थी, जिसमें वरिष्ठ पत्रकारों को शामिल करने की बात कही गई थी। इस कमेटी को सुझाव देने और कानून का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

विधायक जैन ने इस कानून की समय-सीमा और बैठकों के विवरण की मांग की है, ताकि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में देरी के कारण स्पष्ट हो सकें।

पत्रकार बन्धु हर समय आमजन के हित के मुद्दों को शासन प्रशासन स्तर तक पहुंचाते है ऐसे में उन्हें प्रोत्साहित करना भी शासन का कर्तव्य है। प्रदेश सरकार द्वारा पत्रकारों के लिए संचालित प्रोत्साहन और आर्थिक योजनाओं के बारे में पूछे गए सवाल पर, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सरकार ने पत्रकारों के लिए कुछ कदम उठाए हैं। इनमें स्वास्थ्य बीमा, आर्थिक सहायता राशि में वृद्धि, और पत्रकार भवन के उन्नयन जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, जिला स्तर पर पत्रकारों के लिए प्रेस क्लबों को अनुदान देने और आवासीय सुविधाओं के लिए जमीन आवंटन की दिशा में काम करने की बात कही गई थी। श्री जैन ने कहा कि 2023 में कांग्रेस नेता कमलनाथ ने भी पत्रकारों के लिए सुरक्षा कानून लागू करने और प्रेस क्लबों को अनुदान देने का वादा किया था। हालांकि, इन योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति और अन्य नई योजनाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी का अभाव है। विधायक जैन ने सरकार से इन योजनाओं का विस्तृत ब्योरा मांगा है। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने बताया कि पत्रकारों के हित के लिये चिंतित विधायक विपिन जैन द्वारा विधानसभा में पत्रकारों के हित में उठाए गए इस सवाल ने प्रदेश के पत्रकार समुदाय में उत्साह पैदा किया है। पत्रकार संगठनों ने इसे पत्रकारों की आवाज को बुलंद करने वाला कदम बताया है। पत्रकारों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए यह प्रयास सराहनीय है। पत्रकारों का कहना है कि यदि सरकार विधायक जैन के सवालों का सकारात्मक जवाब देती है और पत्रकार सुरक्षा कानून को जल्द लागू करती है, तो यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को और मजबूत करेगा। श्री लाड़ ने कहा कि मंदसौर विधायक विपिन जैन का विधानसभा में पत्रकारों के हित में उठाया गया सवाल एक महत्वपूर्ण कदम है। पत्रकार सुरक्षा कानून, आवास, स्वास्थ्य, और आर्थिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगकर उन्होंने पत्रकारों की लंबित मांगों को फिर से चर्चा में ला दिया है। पत्रकार संगठनों को उम्मीद है कि सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी, ताकि पत्रकारों को उनका हक और सुरक्षा मिल सके।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 26 जुलाई को शाम 5 से रात 8 और रविवार 27 जुलााई को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं- ✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गांधीनगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक EWS 31 श्री मनोज सोनी पिता कैलाश सोनी को मण्डल द्वारा वर्ष 2018 में आवंटित किया गया था। इनके नाम पर उक्त भवन का विक्रय विलेख / पट्टाभिलेख दिनांक 11.07.2018 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीबद्ध किया गया था। श्री मनोज सोनी पिता कैलाश सोनी द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री चांदमल पोरवाल पिता भंवरलाल पोरवाल को करके विक्रय पत्र दिनांक 15.02.2021 को इनके पक्ष में उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित करवा दिया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री चांदमल पोरवाल पिता भंवरलाल पोरवाल भवन का नामांतरण अपने नाम से करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमाक EWS 31 गांधीनगर मंदसौर का नामान्तरण श्री चांदमल पोरवाल पिता भंवरलाल पोरवाल के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in